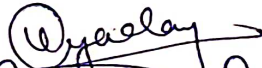
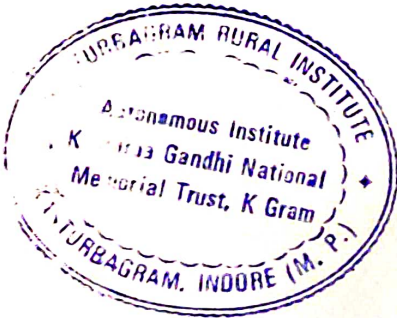
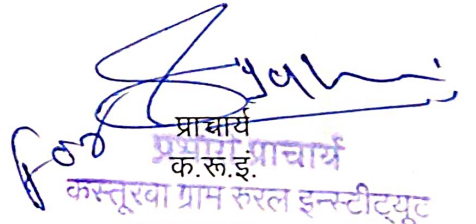


कस्तूरबाग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
 एम.ए. (समाजशास्त्र) प्रस्तावित पाठ्यक्रम योजना 2021-22
 सेमेस्टर प्रणाली
 पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना

क्र.	विषय	सैद्धांतिक अंक		योग
		आंतरिक	बाह्य	कुल
प्रथम सेमेस्टर				
1.	शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा - I	40	60	100
2	सामाजिक अनुसंधान का पद्धतिशास्त्र - I	40	60	100
3	भारत में ग्रामीण समाज - I	40	60	100
4	भारत में नगरीय समाज - I	40	60	100
कुल योग -		160	240	400
द्वितीय सेमेस्टर				
1.	शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा - II	40	60	100
2	सामाजिक अनुसंधान का पद्धतिशास्त्र - II	40	60	100
3	भारत में ग्रामीण समाज - II	40	60	100
4	भारत में नगरीय समाज - II	40	60	100
कुल योग -		160	240	400


 परीक्षा प्रभारी
 क. रू. इ.




 प्राचार्य
 कस्तूरबा ग्राम रूरल इन्स्टीट्यूट
 कस्तूरबा ग्राम, इन्दौर

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम 2021-22

कक्षा	—	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
विषय	—	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	—	शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्परा — I
प्रश्न पत्र	—	I

सैद्धांतिक अंक — 100

बाह्य अंक — 60

आंतरिक अंक — 40

उद्देश्य : —

1. छात्राओं को शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्पराओं की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को शास्त्रीय समाजशास्त्रीय परम्पराओं से परिचित कराना ।

इकाई प्रथम —

समाजशास्त्र के उद्भव का सामाजिक आर्थिक इतिहास कामटे का विज्ञानों का संस्तरण, सामाजिक चिन्तन के विकास का संक्षिप्त इतिहास, औद्योगिक क्रांति ।

इकाई द्वितीय —

कार्ल मार्क्स, सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत, आर्थिक निर्धारणवाद, द्वंद्वात्मक भौतिकवाद, विभिन्न युगों की भौतिकवादी व्याख्या ।

इकाई तृतीय —

ईमाइल दुर्खीम : बौद्धिक पृष्ठ भूमि, यांत्रिक व सावयवी एकता, बढ़ता हुआ श्रम विभाजन, सामाजिक विघटन औद्योगिक क्रांति की विरासत के रूप में ।

इकाई चतुर्थ —

मेक्सवेबर, बौद्धिक पृष्ठभूमि, आधुनिक पूंजीवाद का विश्लेषण, सत्ता का सिद्धांत, सत्ता और शक्ति, प्रोटेस्टेंट आचार और पूंजीवाद का विकास ।

इकाई पंचम —

थर्सटीन वेबलिन — बौद्धिक पृष्ठभूमि, विलासी वर्ग का सिद्धांत, सामाजिक परिवर्तन का सिद्धांत, आकर्षक उपभोग का सिद्धांत ।

Suggested Books —

- 1- Parsons takeout 1937-1949 the Stricture of Social Action Voll I & II McGrew Hill. New Delhi.
- 2- Nisbet 1966 : The Sociology Tradition, Heinemann Education Books Ltd. London.
- 3- Zeitinl Lrvin 1981 : Ideology & the Development Sociological Theory, Prentic Hall.

.....

Agarwal

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम 2021-22

कक्षा	—	एम.ए.प्रथम सेमेस्टर
विषय	—	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	—	सामाजिक अनुसंधान का पद्धति शास्त्र — I
प्रश्न पत्र	—	II

सैद्धांतिक अंक — 100
बाह्य अंक — 60
आंतरिक अंक — 40

उद्देश्य : —

1. छात्राओं को सामाजिक अनुसंधान की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को सामाजिक अनुसंधान से परिचित करवाना ।

इकाई प्रथम —

पद्धति की अवधारणा और पद्धति शास्त्र, अनुसंधान की प्रविधियाँ, सामाजिक अनुसंधान का अर्थ एवं प्रकृति ।

इकाई द्वितीय —

सामाजिक विज्ञान में वैज्ञानिक पद्धति, सामाजिक अनुसंधान के प्रकार, अनुसंधान अभिकल्प या परिकल्प (डिजाइन) सामाजिक अनुसंधान के चरण ।

इकाई तृतीय —

सामाजिक यथार्थ की प्रकृति एवं उपागम, समाजशास्त्रीय सिद्धांत में पद्धति शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य (दृष्टिकोण), सामाजिक अनुसंधान अन्वेषण का तर्क ।

इकाई चतुर्थ —


आगमन एवं निगमन तर्क, सिद्धांत निर्माण, विश्वसनीय एवं वैधता, सामाजिक अनुसंधान में उपकल्पना का महत्व, वस्तुनिष्ठता ।

इकाई पंचम —

गुणात्मक अनुसंधान की प्रविधियाँ एवं पद्धतियाँ, सहभागी अवलोकन, नृजातिलेखन साक्षात्कार ।

Suggested Books —

1. Scientific Social Surveys and Research : P.V. Young.
2. सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी : रविन्द्रनाथ मुकर्जी
3. शोध प्रविधि एवं क्षेत्रीय तकनीकी : डॉ.बी.एम.जैन
4. रिसर्च मॅथडोलॉजी : डॉ. विरेन्द्र प्रसाद शर्मा
5. समाजशास्त्रीय पद्धतियाँ : रामजी यादव
6. सामाजिक अनुसंधान : डी.एस. बघेल
7. सामाजिक अनुसंधान की पद्धतियाँ : महाजन
8. सामाजिक अनुसंधान का प्रणाली विज्ञान : डॉ.धर्मवीर महाजन
9. समाजशास्त्रीय अनुसंधान का अर्थ और विधियाँ
10. सामाजिक शोध एवं सांख्यिकी तार्किकता डॉ.आर.त्रिपाठी



कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम 2021-22

कक्षा	—	एम.ए.प्रथम सेमेस्टर
विषय	—	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	—	भारत में ग्रामीण समाज — I
प्रश्न पत्र	—	III

सैद्धांतिक अंक — 100
बाह्य अंक — 60
आंतरिक अंक — 40

उद्देश्य : —

1. छात्राओं को ग्रामीण समाज की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को ग्रामीण समाज से परिचित करवाना ।

इकाई प्रथम —

ग्रामीण समाज का अर्थ, परिभाषा विशेषताएँ, खेतिहर कृषक एवं लोक समाज की अवधारणा एवं विशेषताएं। गाँव की अवधारणा, गाँव के प्रकार, ग्रामीण, नगरीय भिन्नता एवं सातत्य ।

इकाई द्वितीय —

ग्रामीण सामाजिक संस्थाएँ — परिवार, धर्म, विवाह, जाति व्यवस्था और इनके बदलते प्रतिमान ।

इकाई तृतीय —

ग्रामीण भारत में कृषक संबंध, भू-स्वामित्व और इनके प्रकार। भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था विशेषताएँ एवं तत्व। ग्रामीण वर्ग संरचना जजमानी व्यवस्था, भारत में कृषक आंदोलन ।

इकाई चतुर्थ —

ग्रामीण राजनैतिक जीवन — ग्रामीण अभिजात वर्ग एवं नेतृत्व परम्परागत एवं वर्तमान। ग्रामीण भारत में गुट एवं गुटबाजी, भारत में प्रभुजाति, ग्रामीण नेतृत्व के उभरते प्रतिमान एवं विकास ।

इकाई पंचम —

ग्रामीण सामाजिक समस्याएँ : ग्रामीण गरीबी, भूमिहीन श्रमिक, अस्पृश्यता, ग्रामीण समाज में प्रवासिता, ग्रामीण शिक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य ।

Suggested Books —

1. Parsons takeout 1937-1949 the Stricture of Social Action Voll I & II McGrew Hill. New Delhi.
2. Nisbet 1966 : The Sociology Tradition, Heinemann Education Books Ltd. London.
3. Zeitinl Lrvin 1981 : Ideology & the Development Sociological Theory, Prentic Hall.

कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर
सेमेस्टर प्रणाली पाठ्यक्रम 2021-22

कक्षा	—	एम.ए.प्रथम सेमेस्टर
विषय	—	समाजशास्त्र
प्रश्न पत्र का नाम	—	भारत में नगरीय समाज — I
प्रश्न पत्र	—	IV

सैद्धांतिक अंक — 100
बाह्य अंक — 60
आंतरिक अंक — 40

उद्देश्य : —

1. छात्राओं को नगरीय समाज की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को नगरीय समाज से परिचित करवाना ।

इकाई प्रथम —

नगरीय समाजशास्त्र : नगरीय समाजशास्त्र की अवधारणा, क्षेत्र एवं नगरीय समाजशास्त्र के अध्ययन का महत्व, नगरीय समुदाय की विशेषताएँ, नगरीय समुदाय में परिवर्तन ।

इकाई द्वितीय —

भारत में नगरीय समाज : भारत में नगरीय समुदाय की विशेषताएँ, नगरीयकरण के कारण एवं परिणाम ।

इकाई तृतीय —

नगरीय केन्द्रों का वर्गीकरण, भारतीय नगर और विकास, नगरों के विकास के कारण ।

इकाई चतुर्थ —

व्यवसाय की अवधारणा, व्यवसाय का विकास एवं परिवर्तित व्यवसायिक संरचना, सामाजिक गतिशीलता, प्रवास ।

इकाई पंचम —

नगर नियोजन की अवधारणा, नगर नियोजन को प्रभावित करने वाले कारक, भारत में नगरीय प्रबंधकीय समस्याएं ।

Suggested Books —

1. Baghel D.S. : Nagriya Samajasastra.
2. Singh B.N. : Nagariya Samajastra
3. Desai A.R. and Pallai S.D. (ed) 1970 : Slums and Urbanization, Popular Pakashan, Bombay.
4. ग्रामीण एवं नगरीय समाजशास्त्र : ओम प्रकाश जोशी
5. नगरीय समाजशास्त्र : गणेश पाण्डेय एवं अरूण पाण्डेय
6. नगरीय समाजशास्त्र के विविध आयाम : सुरेंद्र कुमार शर्मा
7. नगरीय समाजशास्त्र : शारदा तिवारी
